हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित
समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "अ" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 21 02 दिसम्बर 2025 मंगलवार हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

बनभूलपुरा भूमि अतिक्रमण मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

हल्द्वानी। रेलवे बनभूलपुरा भूमि अतिक्रमण मामले में कल 2 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला आने की संभावना है। संभावित स्थिति को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कई इलाकों में कल जीरो जोन रहेगा और शहर में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा।आज पुलिस ने पूरे बनभूलपुरा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकालकर शांति और सुरक्षा का संदेश दिया, ताकि फैसले के बाद किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति न बने।बनभूलपुरा में पुलिस का फ्लैग मार्च ख्र "फैसले का सम्मान करें"एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर आज बड़े स्तर पर फ्लैग मार्च निकाला गया।मार्च का नेतृत्व एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्रा ने किया। पुलिस फोर्स आधुनिक हथियारों, बॉडी प्रोटेक्टर और सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ मौजूद रही।रेलवे स्टेशन, गफूर बस्ती, लाइन नं. 17, इन्द्रानगर बड़ी रोडख्रछोटी रोड, लाइन नं. 16, बिलाली मस्जिद, लाइन नं. 08, चोरगलिया रोड और थाना बनभूलपुरा क्षेत्र।पुलिस ने लोगों से अपील की "माननीय सर्वोच्च न्यायालय का जो भी निर्णय आए, उसे शांतिपूर्वक स्वीकार करें। अफवाहों से बचें और कानून व्यवस्था बनाए रखें।"पैरामिलिट्री को भी अलर्ट ख्र पूरा क्षेत्र छावनी में बदलेगाएसएसपी ने प्ज्ठच और ब्च्थ् अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की और पूरे फोर्स को तैयार स्थिति' में रहने के निर्देश दिए।पुलिस ने साफ कहा है किफैसले के बाद जरुरत पड़ने पर पूरा क्षेत्र छावनी में बदल दिया जाएगाड्रोन से लगातार निगरानी होगीकिसी भी तरह के उपद्रव, सरकारी कार्य में बाधा या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी2 दिसंबर का ट्रैफिक प्लान ख्र सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तककल पूरे दिन भारी वाहनों का जनपद नैनीताल में प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा।इसके अलावा हल्द्वानी शहर और आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़े पैमाने पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किए गए हैं।पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहन वैकल्पिक रूट से भेजे जाएंगेनगला, चोरगलिया, किच्छा, सितारगंज, खटीमा के रास्तों से सीधे शहर में प्रवेश नहीं मिलेगाहल्द्वानी शहर में कई मुख्य चौराहों पर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगाबनभूलपुरा में लगभग सभी रास्ते बंद रहेंगेख्रकेवल जरूरी सेवाएँ ही अंदर जा सकेंगीबनभूलपुरा में पूरी तरह 'नो-एंट्री जोन'कल इन रूटों पर प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगागौलापुल से ताज चौराहारेलवे स्टेशन तिराहा से बनभूलपुरामंगलपड़ाव ख्र घास मंडी ख्र बनभूलपुरातिकोनिया, प्रेम टॉकीज,ैक्ड कोर्ट से रोडवेज ईस्ट गेट ख्र ताज चौराहाइन्द्रानगर फाटक ख्र मंडी गेटसभी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग तीनपानी फ्लाईओवर से होकर जाना होगा।नैनीताल पुलिस की अपील"फैसले को शांति से स्वीकार करें। कोई अफवाह न फैलाएँ और प्रशासन का सहयोग करें।"कल पूरे दिन सोशल मीडिया पर भी निगरानी कड़ी रहेगी।प्रशासन ने कहा है। शहर की सुरक्षा और शांति सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

विकसित भारत/2047 पर आयोजित विचार गोष्ठी का शुभारंभ

लालकुआं /लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विकसित भारत/2047 पर आयोजित विचार गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विचार गोष्ठी के संयोजक डॉ. बिपिन चन्द्र जोशी द्वारा शासन के विकसित भारत कार्यक्रमों से अवगत कराया। विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक उत्तराखंड प्रोफेसर डॉ. भुवन चन्द्र मेलकानी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए सबसे पहले हम सभी को अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा और विद्यार्थियों को समाज में फैली विभिन्न बुराइयों से आगाह करते हुए नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और कहा कि उनसे बचते हुए वैज्ञानिक तकनीकी कौशल युक्त ज्ञान से विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं इसमें युवाओं को महत्वपूर्ण भूमिका व जिम्मेदारी स्वयं भी निभानी होगी। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने युवाओं को अपनी रूचि के अनुसार आगे बढ़ते हुए विकसित भारत की संकल्पना में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही शासन द्वारा विद्यार्थियों हेतु चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर डॉ. राजकुमार सिंह के द्वारा विकसित भारत के मार्ग में आने वाली विभिन्न बाधाओं से सभी को अवगत कराया एवं संपोषित विकास की ओर ध्यान आकर्षित किया। प्रोफेसर डॉ. ललित मोहन पाण्डे ने नयी शिक्षा नीति के तकनीकी व कौशल शिक्षा के माध्यम से भी विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।महाविद्यालय के छात्र कन्हैया भट्ट एवं सावन मेहता ने युवाओं का आवाह्न करते हुए उनकी भारत को विकसित बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए जाग्रत किया। छात्र अभिभावक संघ के अध्यक्ष बंशीधर शर्मा ने विद्यार्थियों को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विकसित भारत की शपथ एवं वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय छात्र अभिभावक संघ के पदाधिकारी एवं डॉ.बीना मथेला, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. चन्द्रा जोशी, डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे, डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. अजीत कुमार सैनी, डॉ. मंजू जोशी, डॉ. इंद्र मोहन पंत, डॉ. अरुण कुमार चतुर्वेदी, डॉ. सरोज पंत, डॉ. कल्पना साह, डॉ. पी सागर, डॉ. सुनीता भंडारी, डॉ. मनोज पंत, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. राजेन्द्र कुमार सनवाल, डॉ. नीलम कनवाल, डॉ. कमलेश्वर त्रिपाठी, डॉ. वीरेंद्र दानू, डॉ. नीता पाण्डे आदि प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र संघ पदाधिकारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भव्य एवं सफल ब्लॉक इनडोर हॉल तहसील रोड में आयोजन किया

रामनगर ताइक्वांडो अकादमी द्वारा तृतीय ओपन इंटर स्कूल ताइक्वांडो चौम्पियनशिप का भव्य एवं सफल ब्लॉक इनडोर हॉल तहसील रोड में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रामनगर क्षेत्र के अनेक शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की। प्रमुख रूप से सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, ग्रीन फील्ड एकेडमी पीरूमदारा, ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल, जीजीआईसी खताड़ी, ओक बड्स, जीजीआईसी ढिकुली, गुरुनानक पब्लिक स्कूल बसई, एमपी. हिंदू इंटर कॉलेज, आर्मी पब्लिक स्कूल, श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल रामनगर, शाइनिंग स्टार स्कूल तथा यूएसआर आदि विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया।परिणामस्वरूप सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि ग्रीन फील्ड एकेडमी पीरूमदारा ने प्रभावशाली कौशल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान अर्जित किया। मुख्य अतिथि कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी तथा श्रीमती मंजू नेगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखने तथा उन्हें सकारात्मक दिशा में अग्रसर करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होते हैं। इस मौके पर आयोजन सचिव नितेश शर्मा, तकनीकी प्रमुख समीर कुमार। निर्णायक मंडल में राकेश कुमार, आकाश कुमार, कला रावत, मनीष मंडल, अनिल सैनी, शुभम वर्मा,धन्यमय कुमार आदि शामिल रहे।

शाईनिंग स्टार स्कूल का वर्षिकोत्सव मे उत्तराखंड राज्य स्थापना व लोक नृत्यो ने मनमोहा

रामनगर। शाइनिंग स्टार स्कूल, पीरूमदारा के वाषिर्कोत्सव मे हिल जातरा कार्यक्रम के जरिये उत्तराखंड राज्य के निर्माण से लेकर वर्तमान हालत व राजधानी के मसले पर एवं उत्तराखंड की लोक सस्कृति व लोक कथाओ पर अधारित नृत्यो व भष्मासुर नाटक के जरिये स्कूली कलाकारो की शानदार प्रस्तुति ने दर्शको की जमकर तालियॉ व वाहवाही लूटी। उत्तराखंड राज्य की स्पाथना के 25 वर्ष पूर्ण होने व स्कूल के वाषिर्कोत्सव मे स्कूल के छोटे व बड़े 250 छात्र-छात्राओ के द्वारा उत्तराखंड राज्य आंदोलन के जरिये मुजफ्फर नगर कांड, खटीमा गोली कांड, राज्य निर्माण के बाद अस्थाई राजधानी का देहरादून व गेरसेण के बीच आज तक संघर्ष व राज्य मे बड़ती बेरोजगारी, बड़ती नशाखोरी, धार्मिक दंगे, पलायन, पुलिस व वकालत जैसे पेशो मे बड़ती रिश्वतखोरी की समस्या, हाक सिंह जैसे के द्वारा बार-2 किये जा रहे पेपर लीक जैसे मसलो को बड़ी संजीदगी के साथ प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम मे भगवान शिव को भष्मासुर से बचाने के लिये ब्रहमा के द्वारा पार्वती का रूप धरकर नृत्य के जरिये उसे खत्म करने व लोक कथाओ पर आधारित नाटको व नृत्य एवं कोमी एकता के गीतो व नाटको मे स्कूली बच्चो के द्वारा किये गये शानदार अभिनय ने दर्शको को मंत्रमुग्ध करते हुये वाहवाही करने को मजबूर कर दिया। इस मौके पर स्कूल डायरेक्टर डीएस नेगी व प्रिंसीपल तुलसी सिंह, स्कूल के नाटक डायरेक्टर संजय रिखाड़ी, स्कूल के अभिनय शिक्षक अमित तिवारी, हरमोनियम पर सिद्वॉत नेगी (गीत व संगीतकार), ढोलक पर संदीप सोढ़ी, तबले पर लोकेश व एंकरिंग मे तुषिता नेगी व कृत्तिका राणा ने कार्यक्रम मे चार चॉद लगा दिये। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फिल्म डायरेक्टर अजय बेरी, विशिष्ठ अतिथि स्क्रिट राईटरी मनमोहन चौधरी, मदर गलोरी प्रिंसीपल मीना पांथरी, ग्रेट मिशन की प्रिंसीपल डॉ. नलिनी श्रीवास्तव, ग्रीन फील्ड की प्रिंसीपल कंचन, दीपक डिवाइन स्कूल के मैनेजर जशोद सिंह, माउंट सिनाई की प्रिंसीपल शशी बेंजामिन, एनयूजे-आई के नगराध्यक्ष डॉ. जफर सैफी, आयशा नसीम, शमा सैफी, सुंदरलाल, सुनील सागर, दिक्षा सागर, सीमा देवी, बबीता सेलानी सहित बड़ी संख्या मे अभिभावक आदि मौजूद रहे। प्रोग्राम को सफल बनाने मे स्कूल के को डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह, सीनियर टीचर केसर राना, जीडी जोशी, पीसीएस दानू, रोहित नेगी, श्वेता सिंह, खुशी अरोड़ा, प्रिंयका बिष्ट, रानी, देवेन्द्र, आंनद, जगत रावत आदि का योगदान भी सराहनीय रहा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप रहता है, जबकि जिहाद से निर्णायक संघर्ष तभी संभव है, जब उसके मूल विचारों पर सीधी बहस की जाए। क्या मौजूदा दौर में ऐसा संभव है?ज् कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल-फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान-सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने यह मार्ग क्यों अपनाया?10 नवंबर की शाम राजधानी दिल्ली एक फिदायीन आतंकी हमले से दहल उठी। लालकिला मेट्रो स्टेशन के बाहर चलती कार में हुए भीषण विस्फोट से कई निर्दोष हताहत हो गए। यह हमला एक बार फिर से जिहाद पर बनी पुरानी धारणाओं को चुनौती दे रहा है। साथ ही यह भी सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आखिर सभ्य समाज इसपर आजतक निर्णायक विजय क्यों नहीं पा सका है?पिछले कुछ दशकों में भारत जब भी आतंकवाद का शिकार हुआ, तब इसे वामपंथी मुस्लिम समाज में व्याप्त श्अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबीश् से जोड़ देते है। यदि ऐसा ही है, तो कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल-फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान-सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने जिहाद का मार्ग क्यों अपनाया?दरअसल, इस्लाम में जिहादी सोच को मजबूती देने में मदरसा शिक्षा पद्धति की बड़ी भूमिका है। अधिकतर मुस्लिम परिवारों के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा यही ग्रहण करते है, जिसका माहौल कट्टरपंथी इस्लामी पहचान तक सीमितश्र अर्थात् श्काफिर-कुफ्र-शिर्कश् अवधारणा से युक्त और सह-अस्तित्व प्रेरित बहुलतावाद से मुक्त रहता है। अक्सर आधुनिकीकरण के नाम पर मदरसों में छात्रों को गणित, विज्ञान और कंप्यूटर आदि विषयों को भी पढ़ाया जाता है। वास्तव में, यह विषय केवल माध्यम हैंश्र इनका उपयोग या दुरुपयोग लोगों की मानसिकता पर निर्भर करता है।यही कारण है कि डॉ.उमर, डॉ.आदिल, डॉ.मुजम्मिल और डॉ.शाहीन आधुनिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी जिहाद का रास्ता नहीं छोड़ पाए। भारत सहित शेष विश्व में इस तरह के उच्च-शिक्षित (डॉक्टर-प्रोफेसर सहित) जिहादियों की एक लंबी फेहरिस्त है। न्यूयॉर्क के भीषण 9/11 आतंकी हमले के गुनहगार (लादेन सहित) आधुनिक शिक्षा में दक्ष थे। कड़वा सच यह है कि जब जिहादी मानसिकता का मेल विज्ञान-गणित-कंप्यूटर से होता है, तो वह और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।दिल्ली में हालिया जिहादी हमले की कड़ियां कश्मीर से लेकर हरियाणा और उत्तरप्रदेश तक जुड़ी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डॉ.आदिल को श्रीनगर की दीवारों पर आतंकी संगठन श्जैश-ए-मोहम्मदश् के पर्चे चिपकाने के आरोप में 6 नवंबर को उत्तरप्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने अस्पताल स्थित उसके लॉकर की तलाशी ली, तो वहां से एके-47 सहित कई हथियार बरामद हुए।पूछताछ में डॉ. मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसके फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और बम बनाने के उपकरणों को जब्त किया गया। इसी कार्रवाई में पुलिस ने डॉ.शाहीन को भी घातक हथियारों के साथ धरदबोचा। हालिया जिहादी वारदात में जिस कार का इस्तेमाल हुआ, उसे बकौल जांचकर्ता डॉ.उमर चला रहा था।यह जिहादी मानसिकता केवल फिदायीन हमले तक सीमित नहीं है। गुजरात पुलिस ने हाल ही में डॉ.अहमद मोहिउद्दीन सैयद को उसके दो सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था। सैयद अरंडी के बीजों से घातक राइसिन जहर बना रहा था, जिसे पानी-भोजन में मिलाकर बड़े नरसंहार को अंजाम देने की योजना थी।क्या धन-दौलत के लिए मुस्लिम समाज का एक वर्ग जिहाद का रास्ता अपनाता है? सच तो यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में एक बड़ा मुस्लिम वर्ग उन्हीं इस्लामी आक्रांताओंश्र गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को अपना श्नायकश् या फिर स्वयं को उनका श्वैचारिक-उत्तराधिकारीश् मानता है, जिन्होंने श्काफिर-कुफ्रश् चिंतन से प्रेरित होकर भारत में असंख्य हिंदुओं का कत्लेआम किया, उनकी महिलाओं से बलात्कार किया, उनके हजारों मंदिरों को तोड़ा और सांस्कृतिक प्रतीकों-मानबिंदुओं को रौंदा। इस वर्ग की धारणा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के अधूरे श्गजवा-ए-हिंदश् का मजहबी दायित्व उसपर है।

वास्तव में, बीते दशकों में हुए अनेकों जिहादी हमलों (26/11 सहित) की प्रेरणा और शताब्दियों पूर्व भारत में इस्लामी आक्रांताओं का चिंतनश्र एक ही है। इसका एक विवरण वर्ष 1908 में जी.रुस-केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित श्तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवीश् पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971-1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर नष्ट नहीं करने के बदले अपार धन देने की पेशकश की, तो उसने कहाश्र हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना हैश्। इसी प्रकार वर्ष 1398 में भारत पर आक्रमण कर लाखों निर्दोष हिंदुओं का नरसंहार करने वाले तैमूर ने अपनी आत्मकथा श्तुजुक-ए-तैमूरीश् में लिखा थाश्र हिंदुस्तान आने का मेरा एक उद्देश्य काफिरों से जिहाद और सवाब अर्जित करना है। यहां तक, बाबर ने जिहाद की बुनियाद पर श्काफिरश् हिंदू राजा राणा सांगा को पराजित करके मुगल साम्राज्य की स्थापना की और खुद को श्गाजीश् घोषित किया था।

मजदूरों की मुश्किलें

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का एक स्थायी दावा होता है कि वह जो भी काम कर रही है वह सबसे बड़ा काम है या ऐसा काम पहले कभी नहीं हुआ। तभी छह साल पहले 2019 में भारतीय संसद से पास चार श्रम कानूनों को लागू करते हुए ऐसा ही दावा किया गया है। हैरानी की बात है कि अनेक मीडिया समूह भी अपने संपादकीय में इन कानूनों को इसी रूप में पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में किसी भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा आर्थिक सुधार है। ध्यान रहे अब तक 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और उनके वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की ओर से लागू किए गए उदारीकरण के फैसले को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना जाता रहा है। अब उसकी जगह श्रम कानूनों को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार बताया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या यह सबसे बड़ा कथित आर्थिक सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को वैसे ही बदल पाएगा, जैसे 1991 के आर्थिक सुधारों ने बदला था? और क्या इससे श्रमिकों की हालत में कोई गुणात्मक परिवर्तन आएगा? इसकी संभावना कम है।बुनियादी रूप से ये चारों कानून कोई बड़ा बदलाव नहीं कर रहे हैं। इनकी जो एकमात्र बड़ी खासियत दिखाई दे रही है वह ये है कि पहले से मौजूद 29 केंद्रीय कानूनों को इन चार कानूनों में समेटा गया है। इस आधार पर दावा किया जा रहा है कि पहले इन 29 कानूनों की वजह से उद्योग व कारोबारी समूहों को इनके अनुपालन में समस्या आती थी तो दूसरी ओर श्रमिकों के लिए जरूरी लाभ उपलब्ध कराना मुश्किल होता था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि इससे मजदूरों को कैसे फायदा होगा? इस सवाल पर विचार से पहले चारों कानूनों के बारे में संक्षेप में जानना जरूरी है। ये चार कानून वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता हैं।पहला कानून यानी वेतन संहिता यह सुनिश्चित करेगा कि सभी मजदूरों को एक निश्चित वेतन मिले, वेतन समय पर मिले और वह उचित हो। पहले वेतन, भत्ता, पेंशन, बोनस आदि के लिए अलग अलग कानून थे, जिससे परेशानी होती थी। इसमें एक खास बात यह है कि महिलाओं को पुरुषों के समान काम के लिए समान वेतन का प्रावधान किया गया है। हालांकि उचित और समय पर वेतन मिलना कैसे सुनिश्चित होगा यह कानून लागू होने के बाद पता चलेगा। दूसरा कानून औद्योगिक संबंध संहिता हैं, जिसके तहत कर्मचारी और कंपनी के संबंधों की व्याख्या की गई है और साथ ही दोनों के बीच विवाद के त्वरित निपटान की व्यवस्था भी बनाई गई है। इसमें हड़ताल और विरोध प्रदर्शन के नियम भी शामिल किए गए हैं और सबसे ज्यादा विरोध इसी नियम का हो रहा है।तीसरा कानून सामाजिक सुरक्षा संहिता का है, जिसमें असंगठित मजदूरों, ऐप आधारित सेवाओं में काम करने वाले लोग, जिन्हें गिग वर्कर्स कहा जा रहा है उनके लिए जरूरी प्रावधान किए गए हैं। इस कानून में कहा गया है कि कंपनियां इनके लिए सामाजिक सुरक्षा फंड बनाएंगी। इस कानून के जरिए स्वास्थ्य, बीमा और मातृत्व सुविधा जैसे लाभों को हासिल करना आसान बनाया जाएगा। चौथा और अंतिम कानून व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता है, जिसमें कर्मचारियों, मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रावधान है साथ ही कार्यस्थल पर होने वाली परेशानियों को दूर करके उसे बेहतर बनाने के उपाय भी किए गए हैं। पहले से मौजूद 13 कानूनों मिला कर इसे बनाया गया है। इसमें महिलाओं के रात में काम करने का प्रावधान भी किया गया है।दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर व उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा।परंतु उससे पहले इस कानून के कई प्रावधान ऐसे हैं, जिनको मजदूर फ्रेंडली कतई नहीं माना जा सकता है। उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि मजदूरों को नियमों में बांधने, उनके विरोध करने की क्षमता को कम करने और उनकी नौकरी को असुरक्षित बनाने के प्रावधान इन कानूनों में निहित हैं। मिसाल के तौर पर औद्योगिक संबंध संहिता में प्रावधान किया गया है कि तीन सौ तक मजदूर और कर्मचारी वाला उद्योग सरकार की अनुमति के बगैर छंटनी कर सकता है। पहले एक सौ मजदूरों तक की कंपनियों को यह छूट मिली थी। यह दायरा बढ़ाने का मतलब है कि देश की ज्यादातर कंपनियां और उद्योग अपने यहां पहले से ज्यादा आसानी से छंटनी कर पाएंगे। इसमें लगभग पूरा एमएसएमई सेक्टर आ जाता है। ध्यान रहे भारत में ज्यादातर कंपनियां इतने की मजदूरों या कर्मचारियों वाली हैं। इसका मतलब है कि सरकार ने ज्यादातर मजदूरों को कंपनियों की मर्जी के हवाले कर दिया है।

इतना ही नहीं मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को भी सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा। सोचें, अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? आवश्यक सेवाओं पर लागू होने वाले कानून को हर तरह के मजदूरों और कर्मचारियों पर लागू कर दिया गया है। इससे उनके विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि यूनियन की मान्यता पाने के लिए कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या के 10 फीसदी या एक सौ मजदूरों का, जो भी ज्यादा हो, उसमें शामिल होना जरूरी है। इससे छोटी यूनियन के समाप्त होने का खतरा है।

सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया गया है। कंपनियां आठ से 12 घंटे काम करा सकेंगी। हालांकि एक हफ्ते में काम की अधिकतम सीमा 48 घंटे निधरित है लेकिन सबको पता है कि इस सीमा का पालन कहीं नहीं होता है। नया कानून लागू होने के बाद कंपनियां लंबे कार्य दिवस लागू कर सकती हैं, जिससे मजदूरों का शोषण बढ़ेगा।

असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कई मामलों में तो कंपनियों को स्व प्रमाणन यानी सेल्फ सर्टिफिकेशन की सुविधा दी गई है। श्रम कानूनों को अनुपालन में आसान और लचीला बनाने वाले तर्क अपनी जगह हैं। लेकिन काम के घंटे बढ़ाने, छंटनी के नियम आसान करने, यूनियन बना कर हड़ताल करने के नियम सख्त करने और निगरानी की व्यवस्था को कमजोर करने से अंततः मजदूरों की मुश्किलें बढ़ेंगी और उद्योग समूहों को उनके शोषण का अधिकार मिलेगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

जनसुनवाई कार्यक्रम में 80 समस्याएं दर्ज , 35समस्याओं का मौके पर निराकरण

हरिद्वार(संवाददाता)। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 80 शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें 35 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत कर्ता विकास कुमार निवासी ग्राम हबीबपुर कुड़ी लक्सर, ने अंकुल नागर निवासी ग्राम रायसी द्वारा की गई मारपीट, लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों एवं आपराधिक गतिविधियों संबंधित शिकायत दर्ज करवाई। विकास कुमार ने ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग एवं जांच को प्रभावित करने हेतु दिए जा रहे कथनों के संबंध में शिकायत दर्ज करवाई। सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम खुब्बनपुर लतीफपुर परगना व तहसील भगवानपुर ने अपना एक भवन जिसका क्षेत्रफल / कारपेट एरिया 144 वर्ग मीटर है। सचल दल इकाई भगवानपुर को किराये पर दिया हुआ है जिसका बढ़ाया हुआ किराया नहीं मिल रहा है के सबन्ध में शिकायत की। कामिनी रानी निवासी रामलीला ग्राउंड ज्वालापुर ने राजस्व विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होने की शिकायत दर्ज करवाई। आदेश सैनी सम्राट प्रदेश महासचिव ने जिले में ओवरलोडिंग अवैध वाहनों एवं माँझे से हो रहे हादसों के

संबंध में शिकायत दर्ज करवाई। बालकिशन शर्मा निवासी ग्राम अत्मलपुर बोंगला बहादराबाद ने अपने पिता द्वारा गाँव में ही किसी अन्य व्यक्ति से जमीन खरीदी गयी वर्तमान में खाता धारक द्वारा उक्त भूमि पर दावेदारी करने सबंधित शिकायत दर्ज की। बबली सैनी निवासी ग्राम व पोस्ट धनौरी परगना व तहसील रूडकी ने अपनी भूमि गाटा संख्या 61/4 रकबा 0.071 है० स्थित ग्राम धनौरी परगना व तहसील रूडकी जिला में प्रार्थीनी के कब्जे व दाखले में किसी भी प्रकार से विपक्षीगण द्वारा हस्तक्षेप करने से रोके जाने हेतु शिकायत दर्ज करवाई। गोपी चन्द्र निवासी रायसी गाँव ने रायसी गाँव के अंकुल नागर की आपराधिक गतिविधियों, अवैध वसूली तथा जान-माल की धमकियों के संबंध में कठोर कार्यवाही किए जाने हेतु शिकायत पत्र देकर शिकायत दर्ज करवाई। भूपेन्द्र कुमार ने वार्ड नंबर 7 के अंतर्गत गली नंबर 17 और 18 के बीच सरकारी नाले पर अवैध स्लिप डालने सरकारी जमीन जो की नाला की थी उसे पर अवैध कब्जा भी कर लिया है के सम्बन्ध में शिकायत दर्ज करवाई। महावीर प्रसाद निवासी गमदास कालोनी हरिद्वार ने अपने पुत्र के इलाज हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु प्रार्थना पत्र दिया।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार...

हरिद्वार दून ट्रैक बंद होने से 11 ट्रेनें प्रभावित हुई

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार-देहरादून रेलवे ट्रैक सोमवार को सुबह करीब तीन घंटे तक बंद रहा। इस दौरान रेलवे ट्रैक से गुजरने वाली 11 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया। यह ट्रेनें करीब तीन घंटे विलंब से संचालित हुई। देरी के कारण ट्रेन से सफर कर रहे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। सोमवार को सुबह करीब 6:30 बजे हरिद्वार से देहरादून जा रही ट्रेन संख्या 13009 दून एक्सप्रेस की चपेट में एक शिशु हाथी आ गया। जिस समय हादसा हुआ उस समय शिशु हाथी ट्रैक पार कर रहा था। इस दौरान ट्रेन की भीषण टक्कर से शिशु हाथी की मौके पर मौत हो गई। मौके पर हाथी का बच्चा ट्रेन के इंजन के नीचे फंस गया। ट्रेन के पायलट और लोको पायलट ने ट्रेन को ट्रैक के बीचों बीच रोक दिया। इस कारण सुबह के समय हरिद्वार से देहरादून और हरिद्वार से ऋषिकेश तक आने जाने वाली 11 ट्रेनें प्रभावित हो गई।

शिशु हाथी की मौत के बाद दो घंटे तक मौके पर ही डटा रहा गुस्साये हाथियों का झुंड

हावड़ा एक्सप्रेस से शिशु हाथी की मौत के बाद जंगल में मातम और गुस्सा दोनों नजर आया। हादसे के कुछ ही देर बाद हाथियों का बड़ा झुंड मौके पर पहुंच गया और करीब दो घंटे तक रेलवे ट्रैक के आसपास ही डटा रहा। स्थिति ऐसी थी कि ट्रेन मौके पर रोक दी गई और किसी को भी डिब्बों से बाहर नहीं निकलने दिया गया। शिशु हाथी जिस झुंड से अलग हुआ था, वह पांच हाथियों का परिवार था, जो अक्सर सात की संख्या में इस क्षेत्र में घूमता रहता है। लेकिन सोमवार सुबह हादसे के बाद करीब आठ हाथी इकट्ठा होकर ट्रैक किनारे खड़े रहे। झुंड बार-बार चहलकदमी करता रहा और कई बार जोर से चिंघाड़ भी की, जिससे राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क और रेलवे कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

लालढांग सहकारी समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष और सदस्यों ने ली शपथ

हरिद्वार(संवाददाता)। सोमवार को लालढांग बहुद्देशीय साधन सहकारी समिति के नव निर्वाचित सभापति नरेश कुमार, उप सभापति रौनक सिंह और सदस्य बलबीर सिंह झंडवाल सहित सभी सदस्यों को समिति के सचिव भूमेश शर्मा द्वारा शपथ दिलाई गई। समिति सचिव ने बताया कि मंगलवार से ऋषिकुल मैदान में सहकारिता मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने सभी किसानों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचे और तकनीकी एवं अन्य जानकारियां हासिल करें। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कमलेश द्विवेदी, योगेश चौहान, शैलेन्द्र पाठक, देवेंद्र सिंह नेगी, विजेंद्र कुमार, सुनील पाल, अजय कुमार और कश्मीर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का आयोजन

हरिद्वार(संवाददाता)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग ने जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। सिडकुल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ सीएमओ डॉ.आरके सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमरन जीत कौर ने इस दौरान एडस के विषय पर आम जनमानस को उनके न्यायिक हितों के प्रति जानकारी दी।

कांग्रेस ने अस्पताल के ठेकेदार पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

हरिद्वार(संवाददाता)। जिला महानगर कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिला अस्पताल पहुँचा और प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक से मिलकर पिछले तीन माह में ठेकेदार की ओर से हटाए गए सफाई कर्मचारियों की पुन: नियुक्ति तथा उनका मानदेय बढ़ाने की मांग की। जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और मुरली मनोहर ने कहा कि ठेकेदार पिछले एक वर्ष से कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रहा है। तीन कर्मचारियों को तीन माह से कार्य से हटाया गया है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

17 दिसंबर को "राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस" आयोजन की मांग

हरिद्वार(संवाददाता)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने हर वर्ष 17 दिसंबर को राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस मनाने के लिए उत्तराखण्ड शासन से शीघ्र शासनादेश जारी करने की मांग की है। संगठन के महामंत्री जेपी चाहर ने अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग को भेजे पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखण्ड में भी यह दिवस नियमित रूप से आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजकीय पेंशनर्स समन्वित मंच द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर यह मांग उठाई गई थी।

राज्य आंदोलनकारी प्रेम सिंह रावत का निधन

हरिद्वार(संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के वरिष्ठ आंदोलनकारी प्रेम सिंह रावत का आकस्मिक निधन हो गया। सोमवार को उनके आवास शिवालिक नगर से अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में आंदोलनकारी, और स्थानीय लोग शामिल हुए। अंतिम यात्रा शिवालिक नगर से रवाना होकर श्रद्धा भाव के साथ कनखल श्मशान घाट पहुंची, जहां उनके पुत्र अनूप रावत ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके निधन से राज्य आंदोलनकारियों ने दुख जताया। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त संघर्ष समिति के प्रचार सचिव जसवंत सिंह बिष्ट ने दिवंगत रावत को श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

डीएम ने की जिला स्तरीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक

देहरादून संवाददाता। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कार्यालय सभागार में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक लेते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उनके अधीन जो भी कार्य किये जा रहे हैं जिसमें जिला योजना एवं राज्य सेक्टर केंद्र पोषित जो भी निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उन कार्यों को गुणवत्ता के साथ तत्परता से पूर्ण करना सुनिश्चित करें तथा कार्यों के लिए निर्गत की गई धनराशि का व्यय करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए।जनपद में शीतलहर के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के अंतर्गत गरीब एवं असहाय लोगों के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था के साथ-साथ रैन बसेरों में सभी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यालयों में स्वच्छता बनाएं रखने के लिए कार्यालय एवं आसपास क्षेत्रों की साफ सफाई व्यवस्था ठीक ढंग से कराई जाए इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सभी लोग अपना पूर्ण सहयोग दें।

पूर्व सैनिक पिता की हत्या में बेटा समेत तीन गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। बहादराबाद क्षेत्र में नहर पटरी पर एयरफोर्स के रिटायर्ड जवान भगवान सिंह की हत्या का पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया है। मृतक के बेटे यशपाल ने ही करोड़ों की संपत्ति के लालच में अपने पिता की हत्या की साजिश रची थी। हत्या के बाद पुलिस को झूठी सूचना देकर गुमराह किया। पुलिस ने आरोपी यहपाल और उसके दो दोस्तों राजन उर्फ ललित मोहन और शेखर को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि दो दिन पहले मृतक के बेटे यशपाल ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके पिता की लिफ्ट लेने के वाले एक अज्ञात बदमाश ने गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया।

जिलाधिकारी ने किया औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

- डीएम ने जनपदवासियों से धर्मनगरी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सफाई में पूर्ण सहयोग करने की अपील की

हरिद्वार(संवाददाता)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए जिला अधिकारी मयूर दीक्षित ने आज सिडकुल इंडस्ट्रियल क्षेत्र में क्रिमी चौक एवं राजा बिस्किट फैक्ट्री क्षेत्रान्तर्गत साफ सफाई अभियान को हरी झंडी दिखाकर सफाई कार्य का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने सिडकुल इंडस्ट्रियल क्षेत्र के आर एम कमल काफल्टिया, केडी शर्मा(जी एम) एचपी नौटियाल को निर्देश दिए हैं कि इंडस्ट्रियल एरिया में साफ सफाई का बेहतर ध्यान रखा जाए तथा इंडस्ट्रियल एरिया से निकलने वाले अपशिष्ट एवं कूड़ा कचरा का उचित निस्तारण किया जाए। उन्होंने सभी से अपनी अपनी फैक्ट्री में साफ सफाई का विशेष सफाई ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाने का लक्ष्य है इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी अपेक्षा की है कि धर्म नगरी को पवित्र एवं स्वच्छ बनाने रखने के लिए सभी लोग घरों से निकलने वाले कूड़े कचरे को नजदीकी कूड़ा कलेक्शन सेंटर में डालें तथा नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका, जिला पंचायत के कूड़े वाहनों में ही कूड़ा डालने की अपील की। उन्होंने यह भी अपेक्षा की है कि सभी जनपदवासी अपने आसपास क्षेत्र को साफ एवं स्वच्छ रखने में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें। इस अवसर पर के डी शर्मा, आर एम सिडकुल एवं एच पी नौटियाल ने जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए उन्हें तुलसी का पौधा भेंट किया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

कार्बेट टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत बडोला को विभिन्न मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा

रामनगर।करणी सेना ने कार्बेट टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत बडोला को विभिन्न मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।सोमवार को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में आस पास कई सारे गाँव कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के सटे जंगलों के आस पास है और यहां का युवा वर्ग बेरोजगारी की मार झेल रहा है।।कॉर्बेट में रोजगार होने की वजह से

जो युवा यहाँ से पलायन करके बाहर जाता है। वह कॉर्बेट से रोजगार मिलने की वजह से यही रूकेगा और जंगलो के प्रति उसका प्रेम भी बढ़ेगा और एक रक्षक की तरह जंगलों की सुरक्षा करेगा।मूल निवासी होने के कारण रोजगार का पहला अधिकार स्थानीय लोगों होना चाहिए। चाहे वो किसी भी धर्म व समाज से आता हो। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में जिप्सीयो व डाइवरों के रजिस्टेशन में श्मूल निवास प्रमाण पत्रश को प्राथमिकता दी जाए। कई जिप्सीयो में म्यूजीक सिस्टम लगे हुए है। उन पर तत्काल रोक लगाई जाए और धूम्रपान तम्बाकू पर भी रोक लगाई जाए। क्योकि इनसे गेस्टों को पेरशानी होती है साथ यह सभी पदार्थ कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में प्रदूषण का कारण बनते है।इसका गलत प्रभाव गेस्टो पर पडता है।ड्राइवरों और गाइडों को कार्बेट की ड्रेस में ही गेस्टों को सफारी करानी चाहिए और कई गेस्टों की शिकायत रहती है कि हमें बहुत कम समय घूमाया गया। यदि गेस्टों से पैसा पूरा लिया जा रहा है तो उन्हें सुविधाए भी पूरी मिलनी चाहिए। क्योकि कॉर्बेट मे रहने वाले आम निवासियों व इससे रोजगार पाने वाले व कॉर्बेट की पूरी अर्थव्यवस्था इन्ही गेस्टों से होती है।उन्होंने जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।इस दौरान करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौधरी,जिला अध्यक्ष कल्पना वर्मा,दीपू,हरीश प्रकाश,सुभाष, लाखन,अंकित,शंकर,पवन,,भरत,आदि मौजूद रहें।

जंगली जानवरों और वाहनों का ग्राम वासियों आने जाने वालों को भय का कारण

रामनगर।समाजसेवी नरेंद्र बिष्ट ने कहा कि रामनगर से भंडारपानी पाटकोट रोड में पीडब्ल्यूडी द्वारा रोड के दोनों और सफाई न करने के कारण जंगली जानवरों और वाहनों का ग्राम वासियों आने जाने वालों को भय का कारण बन रहा है,सिंगल रोड होने के कारण बरसात से रोड के किनारे गड्ढे पड़े हुए हैं, जो कि अभी तक भरे नहीं गए हैं और ना ही रोड के किनारो की झाड़ी साफ कर रखी है। उन्होंने कहा कि यह रोड बेतालघाट, डॉन, परेवा,औखलदुगा, तल्ली सेटी मल्ली सेटी,अमगड़ी, भलोन, पाटकोट, रामपुर आदि दर्जनों गाँव का मुख्य मार्ग हैइस रोड में सीतावनी जोन भी है।करोड़ों रुपए का हर साल राजस्व सरकार और वन विभाग मिलता

है।इस रोड में प्रतिदिन सैकड़ों वाहन चलते है और सैकड़ों की तादाद में होटल व रिजॉर्ट हैइस रूट के लिए ना कोई सुनने वाला है और ना कोई कहने वाला है। होटलों में टूरिस्ट आ रहे हैं उनके द्वारा अमगड़ी से लेकर भंडार पानी तक इतनी गंदगी कर रखी है की रोड मे जाना मुश्किल हो रहा है।प्रशासन इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही वन विभाग और पीडब्ल्यूडी ने कुछ नहीं किया तो जल्दी ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोग वन विभाग और पीडब्ल्यूडी का घेराव करेंगे। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता संजय चौहान ने कहा कि मामले को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

दीपक बने संगीत विभागीय परिषद के अध्यक्ष

रामनगर।पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संगीत विभाग में संगीत विभागीय परिषद का गठन किया।सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर दीपक कुमार का निर्वाचन किया गया।उपाध्यक्ष पद अमित राज, ,सचिव पद पर करन जोशी,उपसचिव पद पर आकाश, कोषाध्यक्ष पद पर विक्रम , संकाय प्रतिनिधि के पद पर साक्षी एवं हिमांशी निर्वाचित हुए। इस अवसर पर स्नातक प्रथम सेमेस्टर मेजर एवं माइनर, स्नातक तृतीय सेमेस्टर, स्नातक पंचम सेमेस्टर के संगीत विभाग के विद्यार्थी मौजूद रहे। प्राचार्य प्रो.एम.सी.पाण्डे ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विभाग प्रभारी डॉ.शिप्रा पंत द्वारा सभी निर्वाचित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई और विभागीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।सभी विद्यार्थियों को उन्होंने विभिन्न विभागीय गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की

रामनगर।श्विश्व एड्स दिवस के अवसर पर दून स्कॉलर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल गैबुआ के विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकार की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आईआरबी चौराहे पर एक चलाया। इस दौरान श्पहचान से एक प्रभावशाली नुक्कड़ गया।विद्यार्थियों ने अपने समाज में एच.आई.वी./एड्स नाटक के माध्यम से लोगों कि एड्स केवल एक बीमारी

नहीं।समझाया कि यह बीमारी साथ खाना खाने, हाथ मिलाने, गले मिलने, मच्छर के काटने या एक ही सिलाई मशीन/कपड़े इस्तेमाल करने से नहीं फैलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असंक्रमित सुई के प्रयोग और सुरक्षित रक्त जैसी सावधानियां ही इसका सर्वोत्तम बचाव हैं।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एड्स पीड़ितों के प्रति समाज का नजरिया बदलना था। विद्यार्थियों ने भावपूर्ण प्रस्तुति से यह संदेश दिया कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवारों का सामाजिक बहिष्कार करना अपराध है। उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मान और प्रेम मिलने पर ही वे एक सामान्य जीवन जी सकते हैं।इस दौरान मान्या,प्रियंका, नंदिता, शिवानी, डॉली, मानवी, कनिष्क, कार्तिक, मानस आदि छात्र छात्राएं मौजूद रहें

मुख्य सचिव ने चम्पावत के खेल प्रतिभाओं को किया सम्मानित, बूम में किया वृक्षारोपण

देहरादून। मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन आनन्द बर्द्धन ने आज चम्पावत जनपद की उभरती खेल प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले

खिलाड़ियों एवं कोच को मेडल एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य सचिव ने चम्पावत की उभरती (नेशनल) प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए प्रिंस खोलिया (ब्रॉन्ज मेडल), दीपांशु जोशी (सिल्वर मेडल), अक्षत बोहरा (ब्रॉन्ज मेडल), अंशिका धामी (नॉर्थ इंडिया गोल्ड मेडल) और हर्षित थापा (जूनियर नेशनल ब्रॉन्ज मेडल) को एक साथ सम्मानित किया। इसके साथ ही अर्जुन सिंह एवं तुषार भट्ट को विद्यालय स्तर से नेशनल प्रतियोगिताओं हेतु चयनित होने पर सम्मानित किया गया। मुख्य सचिव ने खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कोच ललित कुंवर एवं कराटे कोच विजय रावत को भी खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु शॉल एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट को भी खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए शुभकामनाएँ दीं। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु मुख्य सचिव ने बूम फॉरेस्ट गेस्ट हाउस परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हरसिंगार (पारिजात) का पौधा रोपा। कुमाऊँ कमिश्नर दीपक रावत ने भी इस अवसर पर रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया।

जाम की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की

रामनगर।व्यापार मंडल अध्यक्ष रामनगर विपिन काण्डपाल ने रामनगर में बढ़ते जाम की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रामनगर में जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। रामनगर कुमाऊं और गढ़वाल का प्रवेश द्वार है।रामनगर पर्यटन स्थल के साथ तीर्थ स्थल भी है।

यहां पर हजारों की तादाद में लोग घूमने आते हैं।पिछले काफी समय से रामनगर के शिवलालपुर चुंगी से लेकर रानीखेत होते हुए आमडंडा और ग्राम ढिकुली क्षेत्र तक वाहनों का लंबा जाम देखा जा सकता है। इसके अलावा कोसी बैराज पर भी लंबा जाम देखा जा सकता है।पिछले हफ्ते शनिवार और रविवार शाम को दो एम्बुलेंस रामनगर से हल्द्वानी को मरीज लेकर जा रही थी। वह आधे घंटे तक फंसी रही।जो कि चिंता का विषय है।लगातार बढ़ रहे जाम से रामनगर के लोग भी बहुत परेशान हैं।विपिन कांडपाल ने कहा कि इसका समाधान बहुत जरूरी है।शनिवार और रविवार को टूरिस्ट ज्यादा आने के कारण वाहन कई कई घंटे फंस जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में ध्यान देकर जाम की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

मालरोड पर नहीं लगेगी पटरी, चिन्हीकरण का कार्य पूरा, शीघ्र होगा विस्थापन

देहरादून। नगर पालिका सभागार में आयोजित टीवीसी की बैठक में मालरोड पर पटरी नहीं लगाने देने और चिन्हित स्थानों पर ही पटरी लगाने का निर्णय लिया गया। 103 पटरी वालों को चिन्हित किया गया है। नगर क्षेत्र में जरूरतमंदों को वेंडर जोन बनाकर विस्थापित करने को लेकर नगर पालिका सभागार में एसडीएम राहुल आनंद की अध्यक्षता में टीवीसी की बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर मालरोड पर पटरी नहीं लगाने दी जायेगी, जिसके लिए स्थान चिन्हित किए गये हैं वहीं पर पटरी लगाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक 103 पटरी वालों को चिन्हित किया गया है। एसडीएम ने कहां कहां वेडिग जोन बनाए जाएंगे व सुझाव भी मांगे। अगर उनके नजर में कोई और स्थान भी है तो अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान चयनित किए गये हैं जहां उनका व्यवसाय भी प्रभावित न हो और मालरोड की सुदंरता भी बरकरार रहे। जो वास्तविक जरूरतमंद होगा जिनका चिन्हीकरण किया गया है उन्हीं को वेंडर जोन में स्थान दिया जायेगा। एसडीएम राहुल आनंद ने कहा कि पिछली बैठक में तय हो गया था कि मालरोड पर किसी भी प्रकार की पटरी नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि वेंडिग जोन का सर्वे पूरा हो चुका है कि इसमें जो पात्र नहीं है उन्हें कोई मौका नहीं दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मालरोड को छोड़ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लंढौर मार्ग, कंपनी बाग, मसूरी झील सहित अन्य स्थान है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी तनमीत सिंह मारवाह, कोतवाल देवेंद्र चौहान, होटल एसोसिएशन के महासचिव अजय भार्गव, व्यापार संघ के अध्यक्ष रजत अग्रवाल, महामंत्री जगजीत कुकरेजा, सहित बड़ी संख्या में पटरी व्यवसायी मौजूद रहे। -------- एक सप्ताह का समय दिया एसडीएम ने कहा कि जो सर्वे किया गया उसकी लिस्ट जारी कर दी गयी है, अगर इसमें कोई आपत्ति होगी तो उन्हें एक सप्ताह का समय दिया गया है। उसके बाद उस पर कोई सुनवाई नहीं होगी। इसके बाद एक और टीवीएस की बैठक होगी उसके बाद विस्थापन का कार्य शुरू किया जायेगा। अभी तक 103 लोगों को पात्र पाया गया है। मालरोड पूरी तरह नो वैंडिग जोन रहेगा ताकि पर्यटक आराम से घूम सके वाहनों का जाम न लगे। इस मौके पर पटरी व्यवसाय से जुड़े लोगों ने अपनी समस्याओं को भी रखा व सुझाव भी दिए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अखिल भारतीय किसान महासभा की बागजाला ग्राम कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य स्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष दर्जा राज्य मंत्री दिनेश आर्य से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा

ज्ञापन बागजाला (गौलापार), जिला- नैनीताल में पेयजल की समस्या का समाधान करने और भूमि के मालिकाना अधिकार दिए जाने समेत अन्य मांगों को लेकर दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि बागजाला के निवासियों की पेयजल की समस्या का समाधान करने के लिए बन रही भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना की हर घर जल योजना का काम बागजाला

में ठप्प करा दिया गया है। इस पेयजल योजना को शुरू किया जाय। यह भी मांग उठाई गई कि जब पूरे देश में स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत शौचालय बनाने और खुले में शौच बंद करने का अभियान चल रहा है तब बागजाला गांव में वन विभाग बन रहे शौचालय तोड़ दे रहा है, ऐसे में स्वच्छ भारत मिशन गांव में चलाने के लिये नये शौचालयों को बनाने में लगी रोक हटायी जाय।बागजाला गांव की समस्याओं खास तौर पर पेयजल की आपूर्ति की समस्या का समाधान शीघ्रता से करने का उन्होंने आश्वासन दिया और दूरभाष के माध्यम से डीएफओ तराई पूर्वी और जल संस्थान के अधिशासी अभियंता से बात कर पेयजल पाइप लाइन ठीक करने, जल जीवन मिशन योजना को सुचारु रूप से शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही बागजाला को भी दमुआढूंगा की तर्ज पर मालिकाना अधिकार देते हुए राजस्व गांव बनाने की घोषणा के सवाल पर उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से वार्ता कर कार्यवाही करवाने हेतु आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला की अध्यक्ष डॉ उर्मिला रैस्वाल, सचिव वेद प्रकाश, कोषाध्यक्ष मीना भट्ट, भाकपा माले जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय, हेमा देवी, नंद किशोर आदि शामिल रहे।

बाइक में गौवंशीय मांस बेचने का आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार

सितारगंज, संवाददता। गौ संरक्षण स्क्वायड टीम व पुलिस के संयुक्त अभियान में सोमवार की सुबह वार्ड 12 से बाइक में गौवंशीय पशु का मांस मिला है। आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सा विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर जांच करायी। मांस पॉलीथिनों में पैक था। जिसे बेचा जा रहा था।सोमवार को गौसरंक्षण स्क्वायड के प्रभारी पंकज बेलवाल, प्रमोद कुमार, पुष्कर राठौर, एसआई जनार्दन भट्ट, चन्द्र प्रकाश ने बाईपास कालोनी में बाइक सवार मोहसिन पुत्र मो. अली निवासी वार्ड आठ को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख

मोहसिन बाइक छोड़ गलियों में फरार हो गया। पशु चिकित्साधिकारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि मांस के सेम्पल लेकर जांच के लिए भेजा है। मौके पर मौजूद विहिप के प्रखण्ड अध्यक्ष अजय भगत ने बताया कि सितारगंज के निकटवर्ती गांव में गौवंशीय पशु का वध कर मांस बाइकों से बेचा जा रहा है। उन्होंने सख्त कार्यवाही की मांग की। पुलिस को बाइक को सीज कर दिया है।

नगर निगम की समस्याओं को लेकर पार्षदों का शिष्टमंडल मेयर से मिला

अल्मोड़ा भारतीय जनता पार्टी के नगर निगम पार्षदों का एक शिष्टमंडल सोमवार को नगर निगम मेयर अजय वर्मा से मिला और निगम से संबंधित विभिन्न समस्याओं की जानकारी उन्हें दी। पार्षदों ने बताया कि शहर में बंदरों की बढ़ती समस्या से आमजन परेशान हैं और इस दिशा में शीघ्र प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। मेयर अजय वर्मा ने बताया कि पार्षदों की मांग पर बंदर पकड़ने के लिए पूर्व में ई-टेंडरिंग करवाई गई थी, लेकिन किसी भी अभ्यर्थी ने इसमें भाग नहीं लिया। अब नगर निगम कोटेशन के माध्यम से बंदर पकड़ने की विज्ञप्ति जारी कर रहा है और जल्द ही यह कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने किया जीआईसी स्यालीधर का निरीक्षण

अल्मोड़ा जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, हॉल तथा बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं और विद्यालय से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हुए जिलाधिकारी ने फर्श, दीवारों और छतों में आवश्यक सुधार किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राथमिकता के आधार पर उन कार्यों को तुरंत शुरू किया जाए, जिनसे बच्चों के अध्ययन वातावरण पर सीधा प्रभाव पड़ता है। विद्यालय में संरचनात्मक सुधारों के लिए एक विशेष टीम शीघ्र ही विस्तृत निरीक्षण करेगी।

विधायक कैड़ा ने किया सीएम धामी का आभार व्यक्त'

धारी ब्लॉक के धारी से पोखराड से चौखुटा - कसियालेख तक मोटर मार्ग लम्बे समय से खराब था, जिस कारण ग्रामीणों, किसानो, पर्यटको को अवागमन मै काफी परेशानियों का समना करना पड़ रहा था, ग्रामीणों ने विधायक राम सिंह कैड़ा से मोटर मार्ग पर डामरीकरण करने की मांग की विधायक कैड़ा ने जनता की समस्याओं को देखते हुये चूक विभाग के अधिकारियो

से डीपीआर तैयार कर शासन को भेजनें को कहा था, विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री से मोटर मार्ग पर डामरिकरण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की मांग की! विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने मोटर मार्ग पर डामरिकरण के लिए 5करोड़ 47 लाख स्वीकृति कर दी है विधायक कैड़ा ने कहा जल्दी ही मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य किया जायेगा! विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है विधायक कैड़ा ने कहा भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी,, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के क्षतिग्रस्त मोटर मार्गो पर लगातार डामरिकरण करने का कार्य किया जा रहा है! क्षेत्र जी जनता ने विधायक कैड़ा का आभार व्यक्त किया!

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रुद्रपुर /विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा रुद्रपुर में एक व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत आवास विकास क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विभिन्न ज्पछळव् संगठनों से आए प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने आमजन को भ्प्ट/।प्क्ै से बचाव, रोकथाम

तथा जांच के प्रति जागरूक किया।रैली को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेंद्र कुमार सागर और जिला क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. हरेंद्र डंसपा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (छ।ब्च्) से जुड़े काउंसलर, एआरटी मेडिकल ऑफिसर तथा भ्प्ट/।प्क्ै संक्रमण पर कार्यरत सभी ज्पछळव् प्रतिनिधियों को पुरस्कृत किया गया।इस दौरान ब्डव् डॉ. अग्रवाल ने सभी ज्पछळव् संगठनों से हाई-रिस्क आबादी को लक्ष्य कर भ्प्ट टेस्टिंग बढ़ाने और समय पर एआरटी लिंक सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने काउंसलरों से प्रभावी काउंसलिंग करने और नए हॉट-स्पॉट तलाशने पर जोर दिया।जिला क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. हरेंद्र डंसपा ने भ्प्ट से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव न करने और संवेदनशील व्यवहार अपनाने की अपील की।

निघावन में सिख युवकों से मारपीट की निंदा

-गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नानकमत्ता ने शिष्टमंडल निघावन यूपी भेजने का लिया निर्णय

नानकमत्ता, संवाददाता। जनपद लखीमपुर खीरी के तहसील निघासन में दो सिख युवकों के साथ स्थानीय लोगों के मारपीट की घटना के गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नानकमत्ता साहिब ने निंदा की। घटना को संज्ञान लेते हुए सोमवार को आयोजित आकस्मिक बैठक में कहा कि घटना से सिख समाज में व्यापक रोष है। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह की अध्यक्षता व महासचिव अमरजीत सिंह के संचालन में हुई बैठक में पीड़ितों से मिलने के लिए कमेटी भेजने का निर्णय लिया गया। महासचिव अमरजीत सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्य व धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन गुरबाज सिंह के नेतृत्व में शिष्टमंडल पीड़ित युवकों से मिलेगा। जो वहां स्थानीय सिख संस्थाओं से सामंजस्य स्थापित कर अग्रिम कार्यवाही करेगा। जिसमें गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी हर सम्भव मदद करेगी। बैठक में सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर सुखवंत सिंह पन्नू, कुलदीप सिंह पन्नू, अमरजीत सिंह बेदी, गुरबाज सिंह, गुरवंत सिंह, प्रकाश सिंह, प्रभशरण सिह, दविंदर सिंह, गुरदयाल सिंह, हरभाग सिंह, जरनैल सिंह, प्रताप सिंह मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सितारगंज। 57 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अधिकारियों और जवानों को एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति संवेदनशील बनाना और इसके संक्रमण, रोकथाम तथा बचाव संबंधी सही एवं वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की गयी।। कमांडेंट चिकित्सा डॉ. हलदर सिंह ने एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और जागरूकता को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। द्वितीय कमान अधिकारी चिकित्सा डॉ. बीबी सिंह ने एचआईवी के संक्रमण के वास्तविक कारणों और इसके फैलने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि एड्स सामान्य सामाजिक संपर्क से नहीं फैलता। हाथ मिलाने, गले लगाने, साथ बैठकर खाने या पानी पीने, छींकने, खांसने या फिर मच्छर के काटने से एड्स का संक्रमण नहीं होता। कहा कि असुरक्षित यौन संबंध , संक्रमित सुई या रक्त का उपयोग, तथा गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान माँ से शिशु में संक्रमण का पहुँचने से संक्रमण फैलता है। यहां डॉ. आहुति सिंह, दीपक तोमर, अरविन्द कुमार, मुन्नी मौजूद रहे। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज में विश्व एड्स दिवस के परिप्रेक्ष्य में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से एड्स दिवस मनाया। एनएसएस के मुख्य प्रभारी डॉ. अजय सिंह लटवाल ने छात्र-छात्राओं को एड्स विषय पर जानकारी दी गई।

उत्तरी सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने ली शपथ

सितारगंज। उत्तरी सोसाइटी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों के शपथ ग्रहण समारोह में सचिव राकेश त्यागी ने अध्यक्ष मुन्नी देवी उपाध्यक्ष मदनलाल और डायरेक्टरों को शपथ दिलायी। सोमवार को उत्तरी सोसाइटी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सचिव राकेश त्यागी ने अध्यक्ष पद पर मुन्नी देवी, उपाध्यक्ष पद पर मदनलाल और डायरेक्टर पद पर पार्वती देवी, मीनावती, रमेंद्री देवी, मौलेराम, ताहिर हुसैन खान, अर्जुन सिंह, नारायण सिंह, बलवंत सिंह, जिगेंद सिंह, ठाकुर वर्मा को शपथ दिलायी। सचिव राकेश त्यागी ने कहा कि समिति किसानों के हित में आगे भी कार्य करती रहेगी। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य सूरज नारायण, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय राणा, पूर्व ग्राम प्रधान राम भरोसे राणा, ताहिर खान मौजूद रहे।

क्रोध में राकेश ने अपने ही पेट में कैंची से तीन बार वार किए

हल्द्वानी। शहर में एक पति-पत्नी के बीच झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि दुकानदार पति ने खुद के पेट में तीन बार कैंची मार लेने की बात सामने आ रही है। आनन-फानन में दुकानदार को स्वजन डा. सुशीला तिवारी अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के चौथे दिन दुकानदार की मौत हो गई। हालांकि पुलिस हत्या के एंगल से भी घटना की जांच कर रही है। राजपुरा, राजेंद्रनगर के गली नंबर दो में टेलरिंग का काम करने वाले 47 वर्षीय राकेश ठाकुर उर्फ टिट्टू अपने पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। आसपास के लोगा की मानें तो अक्सर राकेश व पत्नी के बीच अनबन होती रहती थी। 23 नवंबर की रात भी दोनों के बीच काफी लड़ाई हुई। पत्नी गुस्सा होकर कमरे में चली गई और कमरा बंद कर लिया। वहीं बच्चों ने भी राकेश की कोई बात नहीं सुनी और घर से बाहर चले गए। परिजनों के अनुसार क्रोध में राकेश ने अपने ही पेट में कैंची से तीन बार वार किए। इसके बाद स्वजन राकेश को लेकर रात करीब 10.50 पर डा. सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचे, जहां आइसीयू में चार दिनों तक उसका इलाज चला। सुबह करीब तीन बजे राकेश ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मेडिकल चौकी पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव स्वजन को सौंप दिया है। घटना से परिवार में शोक की लहर है। इस संबंध में राजपुरा चौकी इंचार्ज कृष्णगिरी का कहना है कि वह मामले की जांच में जुटे हैं। राकेश ने खुद पर वार किया या उसे किसी ने मारा इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा

एसडीजी अचीवर पुरस्कार के लिए नामांकन 10 दिसंबर तक

अल्मोड़ा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेनु भण्डारी ने बताया कि जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तियों, सामाजिक संगठनों, संस्थानों, समूहों और कॉरपोरेट इकाइयों को इस वर्ष एसडीजी अचीवर 2024-25 के लिए चयनित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन पहलों को सम्मानित करने के उद्देश्य से दिया जा रहा है, जिनसे सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रभावी योगदान हो रहा है। रेनु भण्डारी ने कहा कि यह पहल न केवल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे व्यक्तियों और संस्थानों का उत्साह बढ़ाएगी, बल्कि अधिक लोगों को सतत विकास लक्ष्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने की प्रेरणा भी देगी। इससे एसडीजी का स्थानीकरण ग्राम और विकासखंड स्तर तक संभव हो सकेगा। इस वर्ष एसडीजी यंग अचीवर पुरस्कार की एक नई श्रेणी भी जोड़ी गई है। इसके अंतर्गत 15 से 29 वर्ष की आयु के वे युवा सम्मानित किए जाएंगे जो अपने नवाचारों के माध्यम से उत्तराखंड में सकारात्मक और सतत परिवर्तन ला रहे हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हरिद्वार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने संस्कृत भाषा के उत्थान एवं विकास हेतु एक उच्च स्तरीय आयोग के गठन की घोषणा की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और विद्वानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि "भारतीय ज्ञान परंपरा- वैश्विक ज्ञान के विकास में संस्कृत का योगदान" जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित यह सम्मेलन भारतीय सभ्यता की गौरवमयी जड़ों को विश्व पटल पर मजबूती से प्रस्तुत करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के विद्वानों द्वारा संस्कृत की समृद्ध ज्ञान-परंपरा पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, जो एक प्रेरणादायी पहल है।मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके लिए संस्कृत भाषा हमेशा से प्रेरणा का विषय रही है। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा के दौरान कक्षा 9 तक संस्कृत का अध्ययन किया और उस दौरान सीखे गए श्लोक, व्याकरण एवं भाषा की मधुरता आज भी स्मरण में है। उन्होंने कहा कि

संस्कृत केवल भाषा नहीं बल्कि संस्कृति, परंपरा, ज्ञान और विज्ञान का आधार है, जिसने प्राचीन मानव सभ्यताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि विश्व की अनेकों भाषाओं की जड़ें संस्कृत से जुड़ी हुई हैं। वेद, पुराण, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, दर्शन, गणित, साहित्य, विज्ञान और खगोलशास्त्र जैसे सभी प्राचीन ग्रंथ संस्कृत में रचे गए, जिसने भारत की वैचारिक धरोहर को समृद्ध किया।मुख्यमंत्री ने 18वीं और 19वीं शताब्दी में यूरोपीय विद्वानों द्वारा संस्कृत साहित्य में बढ़ती रुचि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालयों ने संस्कृत आधारित ज्ञान को विश्व में प्रसारित किया, जहाँ से चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, चाणक्य, ब्रह्मगुप्त और पाणिनि जैसे महान विद्वानों ने जन्म लिया। संस्कृत केवल विज्ञान की भाषा नहीं, बल्कि नीति, मानवीय मूल्यों और वैश्विक बंधुत्व का संदेश देने वाली भाषा है।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु कई सार्थक प्रयास जारी हैं। नई शिक्षा नीति में संस्कृत को आधुनिक और व्यवहारिक भाषा के रूप में स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया है। ई-संस्कृत शिक्षण प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्स, ऑनलाइन साहित्य उपलब्धता जैसी पहलों से संस्कृत को नई पीढ़ी तक सरल रूप में पहुंचाया जा रहा है। कर्नाटक के मट्टूर गांव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत आज भी दैनिक जीवन की भाषा बन सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लोकसभा की कार्यवाही के संस्कृत अनुवाद की पहल भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड सदियों से संस्कृत का केंद्र रहा है। राज्य में संस्कृत को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान करना इसी विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यालयों में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि गार्गी संस्कृत बालिका छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को प्रति माह 251 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

विधायक ने की कैंट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा

देहरादून(संवाददाता)। कैंट विधायक सविता कपूर ने सोमवार को अपने बसंत विहार स्थित कार्यालय में पेयजल, जल निगम, लोकनिर्माण विभाग एवं गेल विभाग के अधिकारियों के समीक्षा बैठक में विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं, जनसुविधा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। विधायक ने प्रत्येक विभाग से क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की और सभी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जल संरक्षण एवं पाइपलाइन सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। सड़क मरम्मत, नवीनीकरण एवं नई परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

मुख्य सचिव का चम्पावत दौरा: विकास कार्यों और पर्यटन संभावनाओं पर विशेष ध्यान

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, आनन्द बर्द्धन ने आज टनकपुर/शारदा बैराज, शारदा घाट, किरोड़ा नाला, बूम, बाटनागाड़ एवं श्यामलाताल क्षेत्र का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण कर विकास एवं बाड़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। टनकपुर/शारदा बैराज के निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने यहां पर्यटन एवं एरो स्पोर्ट्स की संभावनाओं की समीक्षा की। शारदा घाट, टनकपुर स्थित शारदा कॉरिडोर परियोजना की जमीनी स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्रिडकुल के अधिकारियों से 480 मीटर लम्बे स्पान पुल की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव बर्द्धन ने बूम व बाटनागाड़ क्षेत्रों में हो रहे भू-कटाव का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को पूर्ण चौनलाइजेशन के बाद प्रभावी बाड़ सुरक्षा कार्य करने के निर्देश दिए। शारदा नदी के तट पर पहुंचकर उन्होंने सिंचाई विभाग को कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा। माँ पूर्णागिरि धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव ने बाटनागाड़ क्षेत्र का निरीक्षण किया और मार्ग सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की परिकल्पना अनुसार चम्पावत जनपद में विकसित किए जा रहे आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र एवं इको टूरिज्म को मजबूत करने हेतु मुख्य सचिव ने श्यामलाताल का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कृषि, उद्यान एवं एनआरएलएम द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा लाल चावल, लाल धान, मधुमक्खी पालन, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन और बाजार उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया।

किसानों ने मुख्यमंत्री को गन्ना भेंट कर "किसान पुत्र" की उपाधि से सम्मानित किया

देहरादून(संवाददाता)। हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी हेलिपैड पर आज किसानों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का उत्साहजनक स्वागत किया। किसानों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय अधिकारियों ने फूलों की माला पहनाकर, पुष्पवर्षा कर और गन्ना भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। उपस्थित किसानों ने सम्मान स्वरूप उन्हें "किसान पुत्र" की उपाधि से सम्मानित भी किया।मुख्यमंत्री ने स्वागत और सम्मान प्रकट किए जाने पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों व किसानों का आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि सरकार किसानों के हित में समर्पित है और किसानों की आय बढ़ाने व उनकी फसलों का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों की मांगों व भावना के अनुरूप गन्ने का समर्थन मूल्य ऐतिहासिक रूप से घ्405 प्रति क्विंटल तय किया गया है-जो पूर्व की तुलना में घ्30 अधिक है।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की प्राथमिकता है कि चीनी मिलों द्वारा किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। जहाँ कहीं भी भुगतान या क्रय में कमी प्रतीत होती है, उसे तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार मिलकर किसान हितकारी नीतियों-जैसे किसान सम्मान निधि, समर्थन मूल्य निर्धारण और समय पर भुगतान-के माध्यम से किसान की आय बढ़ाने पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने लक्सर क्षेत्र के गंगदासपुर की सड़क ऊँची करने की घोषणा भी की। साथ ही उन्होंने कहा कि इकबालपुर एवं सितारगंज के बंद चीनी मिलों के कारण हुई समस्याओं के निराकरण के लिए राज्य सरकार कदम उठा रही है और प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जाएगी।प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में भारी संख्या में आए जनपद के किसानों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में किसान हित के संवर्धन हेतु अनेक सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं और गन्ने के भाव में यह ऐतिहासिक वृद्धि किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

धनगढ़ी गेट के समक्ष धरना देकर आक्रोश व्यक्त किया

रामनगर। भाजपा सांसद अनिल बलूनी की वादा खिलाफी से आक्रोशित वन ग्राम सुंदरखाल व देवीचौड़ा खत्ता के ग्रामीणों ने कॉर्बेट नेशनल पार्क के धनगढ़ी गेट के समक्ष धरना देकर आक्रोश व्यक्त किया तथा 25 दिसंबर तक वन गांवों में बिजली, पानी आदि की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने तथा राजस्व ग्राम की मान्यता नहीं दिए जाने पर सांसद अनिल बलूनी एवं भाजपा सरकार के खिलाफ हल्ला बोल कार्यक्रम शुरू करने की चेतावनी दी। धनगढ़ी गेट पर धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में ग्रामीणों ने कहा कि पिछले वर्ष अप्रैल माह में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने गांव में आकर वादा किया था कि चुनाव जीतने के एक माह के भीतर उनके गांव में बिजली आ जाएगी परंतु आज डेढ़ साल बाद भी उनके गांव में बिजली नहीं पहुंची है, इस बीच ग्रामीण दो बार सांसद बलूनी से मिलने दिल्ली जा चुके हैं। इस दौरान भी सांसद अनिल बलूनी ने गांव वासियों को एक सप्ताह के भीतर बिजली पानी व मूलभूत सुविधाएं देने का आश्वासन दिया था वो भी पूरा नहीं हुआ है। धरना स्थल पर हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में भाजपा व कांग्रेस की डबल इंजन की सरकार है सत्ता में रही है, चुनाव के समय इन पार्टियों के नेता आकर वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाए जाने के नाम पर जनता से वोट ठगते रहे हैं।

रात 12:30 बजे के बाद डीजे बजाने पर पुलिस की बड़ी कार्रवाइ

हल्द्वानी में रात 12:30 बजे के बाद डीजे बजाने पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई। नैनीताल ैच के निर्देश पर पुलिस ने डीजे संचालक का चालान किया और डीजे उपकरण जब्त किए। पढ़ें पूरी खबर।ब्छम तम्च्व्ज्म्त/हल्द्वानी में देर रात तेज आवाज में डीजे बजाना एक डीजे संचालक को भारी पड़ गया। निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन करने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डीजे उपकरणों को कब्जे में लिया और पुलिस एक्ट के तहत चालान कियाौच नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के निर्देश पर रात 10 बजे के बाद डीजे संचालन पर सख्ती की जा रही है। इसी क्रम में 29 नवंबर 2025 को सिटी कंट्रोल रूम के माध्यम से कोतवाली हल्द्वानी पुलिस को नीलांचल कॉलोनी में रात 12 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाए जाने की शिकायत मिली।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी भोटिया पड़ाव, अनिल कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में रात 12:35 बजे नीलांचल कॉलोनी की एक छत पर तेज ध्वनि में संगीत बजाया जाना पाया गया।

संक्षिप्त समाचार...

पं0 दीन दयाल तीर्थाटन योजना: जागेश्वर धाम के लिए 27 वरिष्ठ तीर्थयात्रियों का पहला दल रवाना

देहरादून(संवाददाता)। पं0 दीन दयाल मातृ पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के 27 तीर्थयात्रियों का पहला दल सोमवार को जनपद देहरादून से जागेश्वर धाम अल्मोड़ा के लिए रवाना किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने सोमवार को गढ़वाल मंडल विकास निगम, द्रोणागिर होटल से तीर्थयात्रियों के इस दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीर्थयात्रियों का यह दल पहले दिन सोमवार को भीमताल में प्रवास करेगा। दूसरे दिन जागेश्वर धाम और तीसरे दिन वापस भीमताल में प्रवास करने के बाद 04 दिसंबर,2025 को देहरादून पहुंचेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बुजुर्ग की तीर्थयात्रा की मंगल कामना के साथ दल को रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गुमशुदगी को अपहरण में बदला, केस दर्ज

हरिद्वार(संवाददाता)। कनखल क्षेत्र से लापता महिला का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। लगातार तलाश और सुरागरसी के बावजूद पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा। अब पुलिस ने महिला की गुमशुदगी को अपहरण में तरमीम कर जांच शुरू कर दी है। दयाल कालोनी दयाल एनक्लेव, जमालपुर निवासी महेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी पूनम शर्मा छह नवंबर को बिना बताए घर से निकल गई थीं।

35 महिलाओं को निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया

हरिद्वार(संवाददाता)। टीएचडीसी सीएसआर कार्यक्रम के तहत सेवा टीएचडीसी के सौजन्य से आदर्श टिहरी नगर पथरी में संचालित चार माह के निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में क्षेत्र की 35 महिलाओं को सिलाई कौशल का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर प्राप्त हुए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अभिनय की दुनिया एक अलग जिंदगी जीने की आजादी देती है: निमरत कौर

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई द फैमिली मैन सीजन 3 ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार मीरा दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तीकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो।उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म-विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म-विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं।निमरत ने कहा, अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है। जब मैं किसी किरदार को निभाती हूं, तो उसे अपने असली जीवन के अनुभवों और सोच से अलग रखकर पूरी तरह से जी सकती हूं। यही अभिनय की खूबसूरती है कि वह हमें अपनी सीमाओं से परे जाकर किसी और के अनुभव को महसूस करने की आजादी देता है।द फैमिली मैन 3 में निमरत कौर का किरदार खलनायिका मीरा के रूप में सामने आया है। इस शो का निर्देशन राज और डीके ने किया है और इसमें मनोज बाजपेयी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।तीसरा सीजन 21 नवंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

पलक तिवारी ने स्ट्रैप-लैस गाउन में ढाया कहर, तस्वीरें देख उड़े फैंस के होश!

टीवी क्वीन श्वेता तिवारी की बेटी और इंटरनेट सेंसेशन पलक तिवारी एक बार फिर सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं. अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में पलक ने ऐसा दिलकश अंदाज दिखाया है कि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. गोल्डन स्ट्रैपलेस गाउन में उनका ग्लैमरस लुक अब हर जगह छाया हुआ है.

25 साल की पलक तिवारी हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस फैशन सेंस के लिए चर्चा में रहती हैं. इस बार उन्होंने अपना एक ऐसा फोटोशूट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस के होश उड़ गए. गोल्डन शिमरी गाउन में पलक का यह नया अवतार सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वायरल तस्वीरों में पलक एक स्ट्रैपलेस गोल्डन शिमरी गाउन पहने नजर आ रही हैं. गाउन का अपर पार्ट बॉडी-फिटेड है, जिस पर गोल्डन स्टोन्स की बारीक कारीगरी की गई है. ये स्टोन्स आउटफिट में एक रॉयल ग्लो एड कर रहे हैं. गाउन के लोअर पार्ट में थोड़ी स्पेसिंग के साथ स्टोन्स लगाए गए हैं और नीचे का फैब्रिक फ्लोई रखा गया है. लूज फिनिश और ट्रेल के साथ इस ड्रेस में एक ड्रामेटिक और स्टाइलिश टच भी देखा जा सकता है.पलक ने अलग-अलग पोज देते हुए अपने इस परफेक्टली टोंड फिगर को खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया है. हर फोटो में उनकी कॉन्फिडेंस और ग्लैमरस अपील साफ झलकती नजर आ रही है. जो फैंस का दिल चुरा रही है. पलक ने अपने इस

ग्लैमरस लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए सटल मेकअप चुना. न्यूड शेड्स, ग्लॉसी लिप्स और ग्लोइंग बेस के साथ उनका मेकअप बिल्कुल परफेक्ट दिख रहा है. हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने खुले बालों को चुनकर अपने लुक को और नैचुरल व एलिगेंट बनाया है.ज्वेलरी में उन्होंने मिनिमल एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया है, सिर्फ एक स्टेटमेंट नेकपीस और ईयरिंग्स के साथ उन्होंने पूरे लुक को ग्रेसफुल फिनिश दिया. जिसमें उनकी ड्रेस का ग्रेस खुलकर सामने आ रहा है.जैसे ही पलक ने ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, फैंस ने उनपर प्यार लुटाना शुरू कर दिया. कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें गॉर्जियस , स्टनिंग , क्वीन और सो ब्यूटीफुल कहकर उनकी तारीफ कर रहे हैं.बहरहाल, पलक तिवारी एक बार फिर साबित कर चुकी हैं कि फैशन और स्टाइल के मामले में वो किसी से कम नहीं हैं. चाहे वेस्टर्न गाउन हो या इंडियन आउटफिट, उनका हर लुक इंटरनेट पर छा जाता है.

बॉक्स ऑफिस पर चला तेरे इश्क में का जादू, दूसरे दिन हुई दमदार कमाई, 120 बहादुर 9 दिन बाद भी फेल

इंटेंस लव स्टोरीज एक बार फिर थिएटर्स में सेंटर स्टेज पर आ रही हैं, और तेरे इश्क में को मिला रिस्पॉन्स इसका सबूत है. रोमांटिक जॉनर में आई सुस्ती के बाद, इस फिल्म ने दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में वापस ला खड़ी कर दी है. फिल्म ने जहां पहले दिन डबल डिजिट में कमाई करने में सफल रही, वही दूसरे दिन इसने उछाल मारी और पहले दिन की अपेक्षा ज्यादा कमाई की.आनंद एल. राय के डायरेक्शन में बनी यह दिल को छू लेने वाली म्यूजिकल लव स्टोरी28 नवंबर सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे फैंस और क्रिटिक्स दोनों से पॉजिटिव रिव्यू मिले. रांझणा जैसी ही तेरे इश्क में ने दर्शकों को इम्प्रेस किया है.बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त ओपनिंग के बाद, फिल्म ओपनिंग वीकेंड में खूब चर्चा में है, और इसने विजय राज और फातिमा सना शेख की गुस्ताख इश्क को भी पीछे छोड़ दिया, जो मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का प्रोड्यूसर के तौर पर पहला प्रोजेक्ट था, जो कल ही थिएटर में रिलीज हुई थी.धनुष की मैड लवर बॉय कैरेक्टर शंकर और कृति सेनन की मुक्ति के रूप में, तेरे इश्क में ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया और थिएटर में अपनी यात्रा को शानदार तरीके से शुरू किया है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने डबल-डिजिट में ओपनिंग की और पहले दिन 16 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 15.25 करोड़ हिंदी बेल्ट से आए.बता दें कि धनुष-कृति सेननन स्टारर यह फिल्म हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज हुई थी. फिल्म के को-प्रोड्यूसर टी-सीरीज के पोस्ट के मुताबिक, तेरे इश्क में ने पहले दिन 15.05 करोड़ (हिंदी नेट) कमाए.

दूसरे दिन की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक, धनुष-कृति स्टारर फिल्म ने शनि वार को 17 करोड़ रुपये की कमाई की है. जबकि हिंदी बेल्ट में इसने 16.57 करोड़ रुपये कमाए है. इस तरह तेरे इश्क में ने दो दिनों में दोनों भाषाओं में कुल 33 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं, हिंदी बॉक्स ऑफिस पर इसने 31.63 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है.आनंद एल. राय के डायरेक्टेड फिल्म तेरे इश्क में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है. सैकनिल्क के मुताबिक, तेरे इश्क में ने दुनियाभर में 42 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. उम्मीद है कि यह रविवार को 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी.उधर फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर को रिलीज हुए 9 दिन पूरे हो चुके है, लेकिन ये फिल्म अब तक केवल 16 करोड़ रुपये जुटा पाई है, जबकि दिल्ली और राजस्थान में इसे टैक्स फ्री हख कर दिया है। दूसरी ओर रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब की मस्ती 4 का हाल तो और बुरा है। इसकी 9 दिन की कमाई 14 करोड़ रुपये है।

नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंड 2: थांडवम का दमदार टीजर रिलीज, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

डायरेक्टर बोयापेटी श्रीनु की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अखंडा 2: थांडवम के मेकर्स ने, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण लीड रोल में हैं, अब फिल्म का एक्शन से भरपूर टीजर रिलीज कर दिया है, जिससे फैंस और फिल्म के दीवाने बहुत खुश हैं।फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे प्रोडक्शन हाउस 14 रील्स ने अपनी एक्स टाइमलाइन पर टीजर के तमिल और तेलुगु वर्शन के लिंक शेयर किए। इसमें लिखा, हर फ्रेम, हर शॉट में द डिवाइन फ्यूरी दिख रहा है। अखंडा 2 का बड़ा थांडवम टीजर अब आ गया है। 5 दिसंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में।नए रिलीज हुए टीजर में दिखाया गया है कि देश के दुश्मन भारत की जड़ों पर हमला करने की साजिश कर रहे हैं। फिर हम बालकृष्ण को देखते हैं, जो साधु के वेश में हैं, और अपने खास अनोखे अंदाज में कहते हैं, जहाँ बुराई होती है, वहीं भगवान भी होता है! बहादुर बनो। टीजर वही दिखाता है जो ट्रेलर में दिखाया गया था -- कि बालकृष्ण के अंदर एक दिव्य शक्ति काम करती है और वह भारत के दुश्मनों की मदद करने वाले ताकतवर काले जादू करने वालों का सामना करते हैं। टीजर, जिसमें बालकृष्ण की बेटी उन्हें पुकारती है, फिल्म के रोमांचक एक्शन सीक्वेंस की एक झलक देता है।टीजर से यह साफ है कि बालकृष्ण का किरदार अखंड 2: थांडवम में देश के दुश्मनों और देश में शांति और भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश कर रही बुरी ताकतों, दोनों का सामना करेगा।

रणवीर सिंह के करियर की सबसे बड़ी फिल्म होगी धुरंधर? बाहर आई ये जानकारी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है। फिल्म के टीजर और पोस्टर रिलीज किए जा चुके हैं, जिसे लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म से जुड़ा ताजा अपडेट आया है, जो लोगों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा सकता है। बताया जाता है कि धुरंधर के जरिए रणवीर अपने करियर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर की अवधि कथित 3 घंटे से ज्यादा होगी। इस बारे में बात करते हुए सूत्र ने कहा, धुरंधर की अंतिम अवधि 3 घंटे से ज्यादा है। यह लगभग 3 घंटे 5 मिनट की है। आदित्य धर, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज द्वारा तय की गई अंतिम अवधि अगले 10 दिनों में पता चल जाएगी। अगर ऐसा होता है तो पहली बार रणवीर अपने करियर की सबसे लंबी फिल्म से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। रणवीर की पिछली फिल्मों की अवधि पर नजर डालें तो दिल धड़कने दो 2 घंटे 51 मिनट लंबी थी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

राज्यपाल ने तकनीकी नवाचारों से संबंधित चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की

देहरादून(संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आज राजभवन में तकनीकी नवाचारों से संबंधित चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर टीम ने ''गवर्नर्स डिजिटल हब'' में शामिल की जा रही नई एप्लिकेशनों तथा विभिन्न पोर्टलों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में राज्यपाल ने सभी आईटी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि स्वदेशी तकनीक, नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु हमें एक सशक्त कल्पवृक्ष तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि राजभवन का उद्देश्य नवीन तकनीक और युवा शक्ति

के समन्वय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया अभियान को नई गति प्रदान करना है। राज्यपाल ने कहा कि आज कोई भी क्षेत्र तकनीक से अछूता नहीं है, अत: समावेशी और सतत विकास के लिए तकनीकी सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 'उत्तराखण्ड ए.आई. मिशन-2025' के शुभारंभ के माध्यम से राज्य ने आधुनिक तकनीक को अपनाकर जन आकांक्षाओं और लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस अवसर पर अपर सचिव रीना जोशी, वरिष्ठ प्रोग्रामर वी एस पुंडीर सहित राजभवन के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन का चम्पावत दौरा-विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा, प्रगति में तेजी के निर्देश

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन आनन्द बर्द्धन दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के तहत एन०एच०पी०सी० बनबसा हेलीपैड पहुँचे, जहाँ कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस. खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया।एन०एच०पी०सी० सभागार बनबसा में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने चम्पावत जिले में संचालित महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति का व्यापक आकलन किया। बैठक में शारदा कॉरिडोर, इनलैण्ड पोर्ट अथॉरिटी, टनकपुर-बागेश्वर रेलवे लाइन, बाढ़ प्रबंधन कार्य, टनकपुर/बनबसा वाटर सप्लाई स्कीम, आई०एस०बी०टी टनकपुर निर्माण, तथा ब्रिडकुल द्वारा बनाए जा रहे पुलों सहित विभिन्न आधारभूत परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने शारदा रिवर फ्रंट एवं एडजॉइनिंग प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को और सुदृढ़ बनाने, पूर्णागिरि रोपवे को शारदा कॉरिडोर के साथ समन्वय स्थापित कर निर्धारित समयसीमा में पूरा करने तथा रोपवे निर्माण कंपनी को प्रत्येक सप्ताह प्रगति रिपोर्ट जिलाधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।उन्होंने टनकपुर-बागेश्वर रेलवे लाइन के संदर्भ में चम्पावत और लोहाघाट के साथ-साथ अल्मोड़ा को जोड़ने हेतु विस्तृत एलाइमेंट तैयार करने के भी निर्देश दिए।बाढ़ सुरक्षा कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग को पारंपरिक तरीकों से हटकर कम लागत में प्रभावी प्रोटेक्शन मॉडल अपनाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार...

पदक विजेता बॉक्सर पवन को किया सम्मानित

देहरादून(संवाददाता)। सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल में सोमवार को वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2025 के रजत पदक विजेता पवन बर्थवाल का देहरादून बॉक्सिंग एसोसिएशन ने रा भव्य स्वागत किया। एसोसिएशन के संरक्षक और स्कूल के निदेशक विपिन बलूनी ने उन्हें ₹21,000 की सम्मान राशि और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एसोसिएशन की महासचिव दुर्गा थापा ने बताया कि पवन बर्थवाल 2010 में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में चयनित हुए। जहां उन्होंने 2017 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद स्पोर्ट्स कोटे से भारतीय सेना में चयनित होकर वर्तमान में 9 गढ़वाल राइफल्स में सेवारत हैं। 2021 में सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड में चयन के बाद उन्होंने तीन बार सर्विसेज में स्वर्ण पदक और राष्ट्रीय स्तर पर दो रजत पदक जीते। 2024 में कजाकिस्तान में पहली बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया तथा 2025 में इंग्लैंड में वर्ल्ड बॉक्सिंग चौंपियनशिप में भी हिस्सा लिया। ग्रेटर नोएडा में 15-20 नवंबर 2025 तक आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में रजत पदक जीतकर पवन ने देश और उत्तराखंड का नाम रोशन किया। रुद्रप्रयाग के स्युपुरी गांव के निवासी पवन का परिवार वर्तमान में देहरादून के नेहरू ग्राम (जानकी विहार) में रह रहा है।समारोह में एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र प्रकाश भट्ट, सचिव अनिल कंडवाल, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज भगवान सिंह और कपिल देव बिष्ट, एमपीएससी की कोच शिखा चंद, स्कूल के प्रधानाचार्य पंकज नौटियाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने दिव्यांगों को धरना प्रदर्शन करने से रोका

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड दिव्यांग क्रांति महाआंदोलन, क्रांतिकारी मूक बधिर से जुड़े दिव्यांगजन सोमवार को अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने परेड ग्राउंड पहुंचे। लेकिन पुलिस ने उन्हें धरना प्रदर्शन करने से रोक दिया। सभी को करनपुर पुलिस चौकी ले जाया गया। शाम को शासन स्तर पर वार्ता का आश्वासन मिलने के बाद दिव्यांग वापस लौट गए। दिव्यांगों ने कहा कि संगठन की ओर से धरने की सूचना प्रशासन को पूर्व में दे दी गई थी। लेकिन पुलिस उन्हें करनपुर पुलिस चौकी लेकर गई। संदीप अरोड़ा ने कहा कि उन्हें बुधवार को शासन स्तर पर वार्ता का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि मांगें पूरी करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान विपिन चौहान, उमेश ग्रोवर, सोनिया अरोड़ा, अपूर्व नौटियाल, बबीता तंवर, विनीता, बीना, ललिता, अंकित भटनागर, संजय नेगी, भारत भूषण, छत्रपाल, इस्लामुद्दीन, सचिन रौथान, विपिन थपलियाल, विजय भट्ट, शैलेन्द्र आदि मौजूद रहे। कुछ अन्य दिव्यांगों को पुलिस ने दून आने के दौरान हिरासत में लिया।

एसजीआरआर विवि में छात्र परिषद ने ली शपथ

देहरादून(संवाददाता)। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में नव गठित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को हुआ। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट श्रीमहंत देवेंद्र दास ने कहा कि छात्र किसी भी संस्था की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और छात्र परिषद नेतृत्व, अनुशासन एवं सेवा का उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। उन्होंने नए पदाधिकारियों से विश्वविद्यालय और समाज की उन्नति हेतु निष्ठापूर्वक कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. प्रथपन के पिल्लई ने कहा कि छात्र परिषद विश्वविद्यालय की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने नए पदाधिकारियों को सर्वसुलभ, नैतिक और अनुशासित वातावरण बनाने तथा उपयोगी गतिविधियों के संचालन के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) मालविका सती कांडपाल ने परिषद को विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और सौहार्द बनाए रखते हुए सकारात्मक माहौल तैयार करने की जिम्मेदारी निभाने की सलाह दी। पूर्व छात्र परिषद अध्यक्ष विनीत थापा ने शपथ ग्रहण का संचालन किया। कार्यक्रम में आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सोनियां गंभीर, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अनुजा रोहिल्ला, प्रोक्टर प्रो. गनाराजन और खेल अधिकारी एसपी जोशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

डीएम बंसल की अध्यक्षता में हुआ डोईवाला के इठारना में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

देहरादून(संवाददाता)। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आज विकासखंड डोईवाला के ग्राम इठारना में बहुउद्देशीय शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत आमजन को विभिन्न शासन की कल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना था। जिलाधिकारी नहीं कहा कि दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम छोर में निवासरत प्रत्येक बुजुर्ग, व्यक्ति, महिला बच्चा सरकार और जिला प्रशासन के लिए प्रथम व्यक्ति है। जिला अधिकारी ने कहा कि हमारा यही प्रयास है कि बहुउद्देशीय शिविर में प्राप्त हुए प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निस्तारण किया जाए।डीएम ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों एवं अपेक्षाओं को विस्तार से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को तुरंत लाभान्वित किया जाए। बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए वहीं शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में जीआईसी इठरना के बच्चों ने अपने बने प्रोडक्ट की जानकारी जिलाधिकारी को दी, जिसमें अवनीश रावत ने मिश्रित खेती तथा कनिष्का पुंडीर ने देवी आपदा के दौरान बचाव संबंधी बनाए गए प्रोडक्ट की प्रस्तुति दी।विकासखंड डोईवाला के दूरस्थ इठारना में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत डीएम ने जन समस्याएं सुनी अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया जिलाधिकारी ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम छोर पर निवासरत बुजुर्ग महिला बच्चे; सरकार, जिला प्रशासन के लिए प्रथम व्यक्ति हैं जिन्हें जिन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना हमारी प्राथमिकता

है।बहुउद्देशीय शिविर में 35 से अधिक विभागों ने स्टॉल लगाकर जनमानस की समस्या निस्तारण किया तथा योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवेदन प्राप्त किये तथा लाभार्थियों से मौके पर ही योजनाओ के फॉर्म भरवाये।ग्राम पंचायत रानीपोखरी को कूड़ा निस्तारण हेतु वाहन की मौके पर ही स्वीकृत; मृत पशु के शव निस्तारण हेतु भूमि चिन्हित करने को राजस्व विभाग को निर्देशग्राम पंचायत गदुल में लगेगा आधार एवं श्रम कार्ड बनाने हेतु कैंप; डीएम ने दिए निर्देश50 आधार कार्ड; 64 छात्र-छात्राओं की रोजगार हेतु काउंसलिंग; 2 जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र; 2 दिव्यांग प्रमाण पत्र; 33 आयुष्मान कार्ड; 180 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच; नई गैस कनेक्शन हेतु 11 आवेदन फार्म; राशन कार्ड हेतु 6 आवेदन; 2 महालक्ष्मी 10 किशोरी किट वितरित; 3 लाभार्थियों को कृषि उपकरण 1.65 लाख अनुदान राशि वितरित; 3 लाभार्थियों को मौके पर ही पेंशन; वृद्ध जनों को समाज कल्याण विभाग द्वारा 46 लाभार्थियों को 132 सहायक उपकरण वितरित; 30 लाभार्थियों को पशु औषधि वितरित की गई। वही उद्यान विभाग द्वारा 12 लाभार्थियों को 50% अनुदान दिया गया। चिकित्सा विभाग द्वारा 102 सामान्य ओपीडी, 15 गायनी ओपीडी, तथा 30 से अधिक रक्त जांच, 16 की टीवी जांच तथा 2 लोगों के एक्स-रे भी कराए गए।शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, समाज कल्याण, उद्यान, कृषि, रोजगार, पंचायतीराज, जल संस्थान व जल निगम सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल स्थापित किए गए थे, जहां विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को सेवाएं प्रदान की गई तथा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।जिलाधिकारी ने कहा कि बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक बैठे लाभार्थियों तक पहुँचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में अधिकतम समस्याओं का समाधान स्थान पर ही किया जाए और शेष मामलों के निस्तारण में देरी न हो। ग्रामवासियों ने इस प्रकार के शिविरों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।बहुउद्देशीय शिविर में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश योगेश मेहर, निदेशक ग्रामीण विकास अभिकरण विक्रम सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार ढोंडियाल,मुख्य कृषि अधिकारी देवेंद्र सिंह, सहायक निदेशक /भूमि संरक्षण अधिकारी अशोक गिरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र कुमार, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। lEiknd & jkts'k iar
Qksu ua0& 05946&254443 izlkj izca/kd% olhe vgen] vkj ,u vkbZ ua–% UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com